हिंदी विश्वविद्यालय में युवा रचनात्मकता शिविर का उदघाटन
गांधी, विनोबा की विचार-दृष्टि को अपनाएं युवा –भरत महोदय

वर्धा दि. 27 फरवरी 2016: ग्रामीण विकास के लिए महात्मा गांधी और विनोबा भावे ने जो दिशाएं दी थी उनपर चलकर ही हम ग्रामीण एवं सामाजिक समस्याओं का हल निकाल सकते हैं। युवाओं ने अपनी रचनात्मकता का प्रयोग कर उनके विचारों को जमीनी स्तर पर उतारकर

विकास तथा परिवर्तन के लिए अग्रसर होना चाहिए। उक्त विचार गांधी विचार परिषद, वर्धा के निदेशक भरत महोदय ने व्यक्त किये। वर्धा के महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में 27 से 29 को युवा रचनात्मकता शिविर का आयोजन किया गया, इसके उदघाटन पर वे उदघाटक के रूप में बोल रहे थे। गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली तथा विश्वविद्यालय के महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र की ओर से आयोजित शिविर का

उदघाटन हबीब तनवीर सभागार में शनिवार को किया गया। शिविर में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गये पांच गांव यथा गणेशपुर, तामसवाड़ा, चिकनी, जामनी और बोरगांव के ग्रामवासी, पंचायत राज संस्था के प्रतिनिधि, समाज कार्य विभाग के विद्यार्थी एवं शोधार्थी सहभागी हुए।

प्रारंभ में महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो.मनोज कुमार ने स्वागत वक्तव्य दिया। उन्होंने बताया कि गावों की समस्याओं को जानना और पंचायती राज व्यवस्था के अंतर्गत गावों में काम करने वालें प्रतिनिधियों से रूबरू होना, इस उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है। विश्वविद्यालय ने गोद लिए हुए पांच गावों के प्रतिनिधियों को बुलाकर हम उन गावों के मूल समस्याओं को पहचानना चाहते हैं। इस अवसर पर कार्यशाला

के संयोजक डॉ. शिव सिंह बघेल, जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ. कृपा शंकर चौबे, केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य अजय नासरे, शिक्षक सुकनदास ढेकवारे, सचिन वासाडे, शिक्षिका अलका कुथे, सहायक प्रोफेसर डॉ. मुन्ना लाल गुप्ता, डॉ. अमित विश्वास सहित ग्राम गणेशपुर के खुशालराव येडे, कुमारी हर्षदा शेलके, पंकज शेलके, रोषण शेलके, नरेंद्र मुरकुटे, जामनी के गणेश गिरे, सरोजनी करडभाजने, संगीता आवटे, चिकनी की मालाताई राउत सहित बड़ी संख्या में महिलाएं, युवतियां और युवाओं की सहभागिता रही। कार्यक्रम का संचालन समाजकार्य विभाग की छात्रा सोनी पांडे ने किया तथा आभार सहायक प्रोफेसर डॉ. मिथिलेश तिवारी ने माना। सफलता हेतु दिलीप वाकडे, सचिन नाखले, सुनिल पांडे आदि ने प्रयास किये।

सोमवार को होगा समापन

कार्यशाला का समापन सोमवार दोपहर 2.30 बजे कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र की अध्यक्षता में किया जाएगा। इस अवसर पर मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया, अकादमिक कमिटि के अध्यक्ष प्रो. वेद प्रकाश मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में तथा गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. चित्तरंजन मिश्र की विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

हिंदी विश्वविद्यालयात युवा रचनात्मकता कार्यशाळेचे उदघाटन

गांधी, विनोबा यांच्या विचार-दृष्टितूनच ग्राम विकास शक्य –भरत महोदय

वर्धा दि. 27, 2016: ग्रामीण विकासाकरिता महात्मा गांधी आणि आचार्य विनोबा भावे यांच्या विचार-दृष्टीतूनच ग्रामीण विकास आणि सामाजिक समस्यांवर उपाय शोधता येवू शकतात.

युवकांनी आपल्या सर्जनशीलतेतून त्यांचे विचार आत्मसात करून ग्रामीण परिवर्तनासाठी पुढे आले पाहिजे असे विचार गांधी विचार परिषद, वर्धा चे निदेशक भरत महोदय यांनी व्यक्त केले. किये। वर्धा येथील महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात 27 ते 29 असे तीन दिवस युवा रचनात्मकता शिबिराचे आयोजन करण्यात आले. शिबिराच्या उदघाटन कार्यक्रमात ते बोलत होते. गांधी स्मृती आणि दर्शन समिती, नवी दिल्ली तथा विश्वविद्यालयातील महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र यांच्या वतीने आयोजित शिबिराचे उदघाटन हबीब तनवीर सभागृहात शनिवारी झाले. यावेळी विश्वविद्यालयाने दत्तक घेतलेल्या गणेशपुर, तामसवाड़ा, चिकनी, जामनी आणि बोरगांव या पाच गावातील नागरिक, पंचायती राज संस्थांचे प्रतिनिधी, समाज कार्य विभागाचे विद्यार्थी सहभागी झाले.

महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्राचे निदेशक प्रो.मनोज कुमार यांनी स्वागत वक्तव्य दिले. गावातील समस्या जाणून घेणे आणि पंचायती राज संस्थांच्या अंतर्गत कार्य करणा-या व्यक्तींशी संवाद साधून ग्राम विकासासाठी कार्य करण्याच्या उद्देशाने ही कार्यशाळा आयोजित करण्यात आली आहे अशी माहिती त्यांनी दिली. यावेळी कार्यशाळेचे संयोजक डॉ. शिव सिंह बघेल, जनसंचार विभागाचे अध्यक्ष डॉ. कृपा शंकर चौबे, केंद्रीय विद्यालयाचे प्राचार्य अजय नासरे, शिक्षक सुकनदास ढेकवारे, सचिन वासाडे, शिक्षिका अलका कुथे, सहायक प्रोफेसर डॉ. मुन्ना लाल गुप्ता, डॉ. अमित विश्वास, गणेशपूरचे खुशालराव येडे, कुमारी हर्षदा शेळके, पंकज शेळके, रोषण शेळके, नरेंद्र मुरकुटे, जामनीचे गणेश गिरे, सरोजनी करडभाजने, संगीता आवटे, चिकनीच्या मालाताई राउत यांच्यासह युवक आणि युवती मोठया संख्येने उपस्थित होत्या. कार्यक्रमाचे संचालन समाजकार्य विभागाची विद्यार्थी सोनी पांडे हिने केले तर आभार सहायक प्रोफेसर डॉ. मिथिलेश तिवारी यांनी मानले.

सोमवारी होणार समारोप

कार्यशाळेचा समारोप सोमवारी दुपारी 2.30 वा. कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र यांच्या अध्यक्षतेखाली होईल. यावेळी मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडियाच्या अकादमिक कमिटीचे अध्यक्ष प्रो. वेद प्रकाश मिश्रा मुख्य अतिथी म्हणून आणि गोरखपुर विश्वविद्यालयातील हिंदी विभाग प्रमुख प्रो. चित्तरंजन मिश्र विशेष अतिथी म्हणून उपस्थित राहतील.